न्यूज़लेटर

14 अप्रैल, 2025

अंबेडकर जयंती संस्करण

बाबासाहेब के सपनों का भारत बनाने की लड़ाई

अपने पूरे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी दलित अधिकारों और सामाजिक न्याय की वकालत करते रहे हैं। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के दूरदर्शी काम से प्रेरणा लेते हुए, राहुल गांधी ऐसे भारत को बनाने की लड़ाई लड़ रहे हैं जहाँ समानता सिर्फ़ एक खोखला वादा न होकर एक ज़मीनी हक़ीकत बने। पिछले साल राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने भाजपा की बढ़ती नफरत के खिलाफ संवैधानिक मूल्यों और दलितों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े होकर काम किया। उनका साफ मानना है कि भारत अपनी मुख्य चुनौतियों - चाहे आर्थिक असमानता हो, ग़रीबी हो या बेरोज़गारी हो - को सिर्फ़ जातिगत अन्याय की सच्चाई को सामने लाकर ही हल कर सकता है।

जातिगत मुद्दों पर चर्चा करते हुए राहुल गांधी का वीडियो यहां देखें।

सामाजिक न्याय के लिए राहुल गांधी की लड़ाई पर एक नज़र

बीते एक साल की बात

संसद में भाषण

भारत की 73% आबादी का प्रतिनिधित्व आज भी कम है

केंद्रीय बजट पर बोलते हुए राहुल गांधी ने इस सच्चाई का पर्दाफाश किया कि दलित, आदिवासी और OBC भारत की आबादी का 73% हिस्सा हैं, लेकिन बिजनेस और सरकार में उनकी हिस्सेदारी कहीं नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट बनाने में भाजपा सरकार दलित अधिकारियों को शामिल क्यों नहीं करती है?

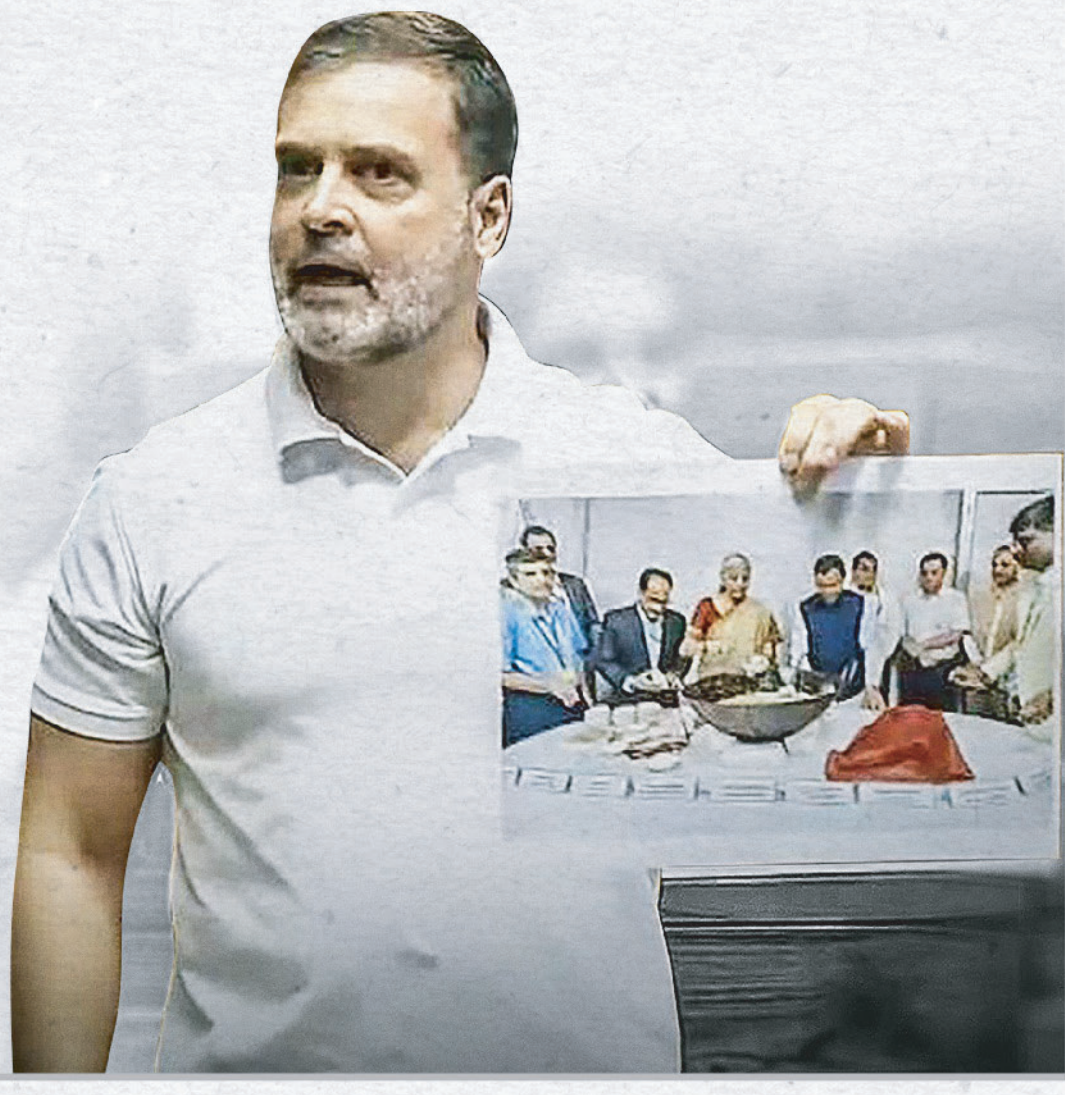

संविधान बनाम मनुस्मृति

संविधान के 75 साल पूरे होने पर संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये लड़ाई संविधान और मनुस्मृति के बीच है। उन्होंने बताया कि भाजपा वाले बाबासाहेब के संविधान का विरोध करते हैं और मनुस्मृति की पूजा करते हैं - एक ऐसा ग्रंथ जो जातिगत अन्याय को बढ़ावा देता है।

उत्पादन और समृद्धि

हाल ही में संसद में अपने भाषण में, राहुल गांधी ने "उत्पादन और समृद्धि" के अपने विजन को सामने रखा, जो देश में एक ऐसा मॉडल बनाने की बात करता है जिसमें भारत के धन और संस्थाओं में वंचितों को बराबर की हिस्सेदारी मिले।

जनसभाएं

दशा व दिशा

दलित इन्फ्लुएंसर्स से बात करते हुए राहुल गांधी ने दलितों के लिए शिक्षा और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में लगातार आने वाली रुकावटों पर बात की। उन्होंने दलित समाज को सहायता देने में कांग्रेस पार्टी की कमियों को भी स्वीकार किया।

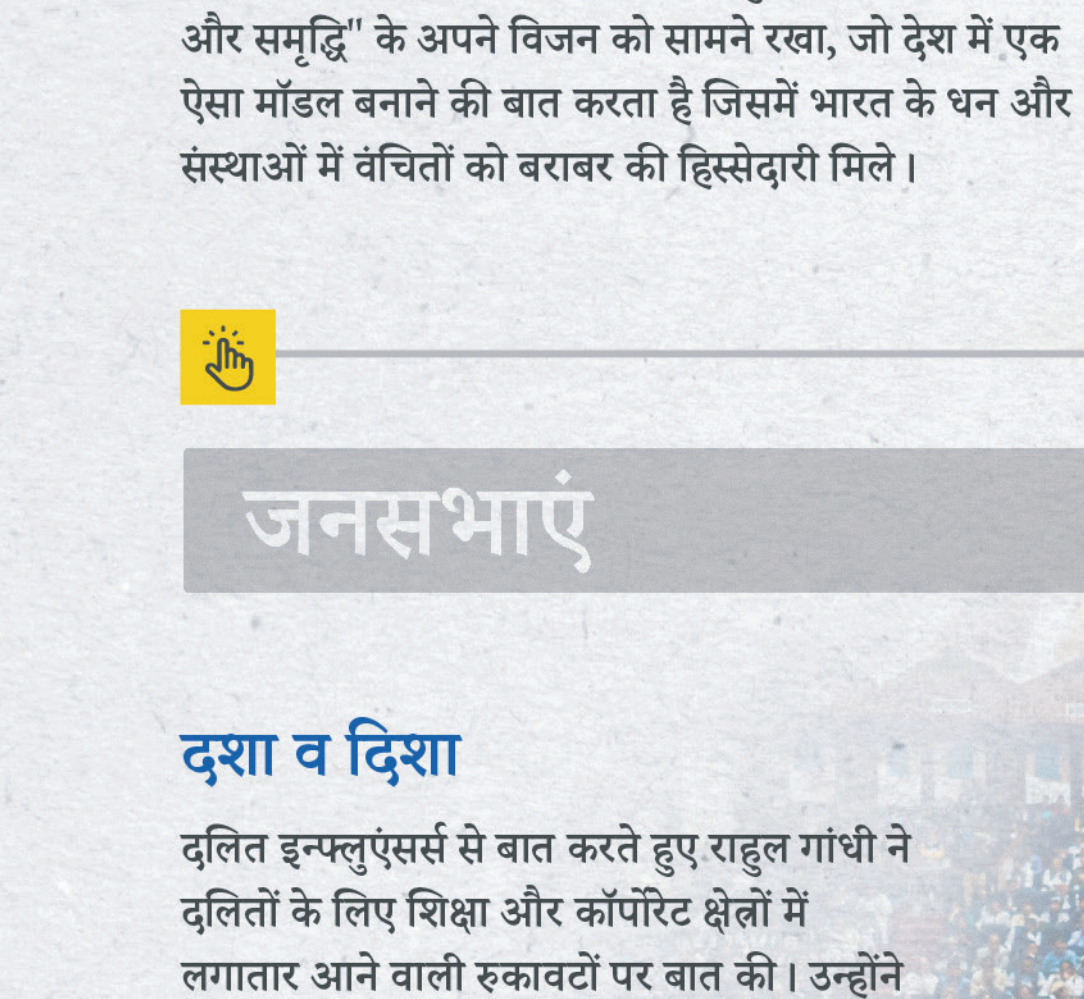

संविधान सम्मान सम्मलेन

राहुल गांधी ने साल भर में 9 संविधान सम्मान सम्मेलनों को संबोधित किया। नागपुर संविधान सम्मान सम्मेलन में राहुल गांधी ने बाबासाहेब को संविधान में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने व्यापक जाति जनगणना लागू करने और 50% आरक्षण की दीवार को तोड़ने की बात दोहराई।

बातचीत

न्याय के लिए लड़ाई

समर्थन का वादा

हाथरस बलात्कार और हत्या पीड़िता के परिवार से मुलाकात की। परिवार के सदस्यों ने राहुल गांधी को बताया कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं और उत्तरप्रदेश सरकार इस परिवार का पुनर्वास करने में विफल रही है। राहुल गांधी ने वादा किया है कि, यदि सरकार उनका पुनर्वास नहीं कर पाती है तो इंडिया गठबंधन उन्हें पुनर्वासित करेगा।

संविधान की रक्षा के लिए बलिदान

संविधान की रक्षा करते हुए हिरासत में मारे गए बहादुर युवक सोमनाथ सूर्यवंशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार से मौत की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

समुदाय से बातचीत

दलित शिल्पकारी का समर्थन

उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर में रामचेत मोची के साथ जूता सिलाई किया। राहुल गांधी रामचेत जी के बिजनेस का समर्थन करना जारी रखते हैं और दलित बिजनेस को वित्तपोषण तक पहुंचने और उनके बिजनेस को बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दलित व्यंजनों का इतिहास

श्री शाहू पटोले के साथ दलित व्यंजनों के इतिहास की जानकारी ली। राहुल गांधी और पटोले जी ने चर्चा की कि कैसे दलित व्यंजन के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं और भोजन-आधारित जातिगत भेदभाव की ऐतिहासिक प्रथा रही है। उन्होंने कुछ व्यंजन भी साथ में पकाए।

सपनों की उड़ान

उत्तरप्रदेश के रायबरेली में दलित युवाओं से उनकी आकांक्षाओं के बारे में बातचीत। राहुल गांधी ने नौकरी के अवसरों को बढ़ाने के लिए अंग्रेजी शिक्षा के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस अंग्रेजी शिक्षा का विरोध करते हैं, परन्तु अपने बच्चों को पढ़ने के लिए वो विदेश भेजते हैं।

दमन के खिलाफ आवाज उठाई

मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एक महिला के साथ जातिगत अन्याय पर चर्चा की। राहुल गांधी ने महिला को चप्पल पहनने का अधिकार दिलाने में मदद की और जाति-आधारित उत्पीड़न के खिलाफ एक जरूरी कदम उठाया- एक बुनियादी सम्मान जो आज भी कुछ गांवों में दलितों को नहीं दिया जाता है।

JAN SANSAD

अनुसूचित जाति और जनजाति उपयोजनाओं को मजबूती देना

दलित और आदिवासी कार्यकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक, जिसमें बजट में दलित और आदिवासी कल्याण योजनाओं के लिए धन के कम उपयोग पर चर्चा की गई। राहुल गांधी ने अनुसूचित जाति और जनजाति उप योजनाओं को लागू करने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता पर जोर दिया।

पहचान के लिए संघर्ष

सफाई कर्मचारियों और मैनुअल स्कैवेंजर्स को समर्थन देने में भाजपा सरकार की विफलता पर चर्चा की। राहुल गांधी ने सफाई कर्मचारियों और मैनुअल स्कैवेंजर्स को उचित पहचान और सहायता प्रदान करने की वकालत की।

राहुल गांधी की आवाज़

अम्बेडकर जी ने इस देश को जो दिया, वह न केवल हमारे लिए बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी है, उनका खून-पसीना है, जो संविधान में समाहित है - एक ऐसी विरासत जिसे हम कभी खत्म नहीं होने देंगे।

चैत्यभूमि पर बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

CLICK TO **SUBSCRIBE** TO THIS NEWSLETTER